भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
मौखिक प्रश्न संख्या : 281
गुरुवार, 12 मार्च, 2026/21 फाल्गुन, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

विमानन अवसंरचना का विस्तार

***281. श्री नव चरण माझी:**
श्री विष्णु दयाल राम:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत दो वर्षों के दौरान विमानपत्तन और टर्मिनल अवसंरचना से संबंधित आरंभ किए गए प्रमुख कार्यों तथा इनकी डिज़ाइन की गई यात्री प्रबंधन क्षमता और अपेक्षित क्षेत्रीय आर्थिक प्रभाव का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या नव-विकसित विमानपत्तनों को राजमार्गों, रेलमार्गों और विकसित किए जा चुके/विकसित किए जा रहे संभार-तंत्र केंद्रों तथा पत्तनों के साथ जोड़ने के लिए कोई एकीकृत मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी योजना बनाई गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार ने नव-संचालित विमानपत्तनों के आसपास अनुमानित रोजगार सृजन और स्थानीय पारितंत्र के विकास के मूल्यांकन के संबंध में कोई अध्ययन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्री (श्री किंजरापु राममोहन नायडू)

(क) से (ग): विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

"विमानन अवसंरचना का विस्तार" के संबंध में श्री नव चरण माझी और श्री विष्णु दयाल राम द्वारा पूछे गए दिनांक 12.03.2026 के लोक सभा मौखिक प्रश्न संख्या 281 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क): पिछले दो वर्षों के दौरान चालू किए गए प्रमुख हवाईअड्डों और टर्मिनल अवसंरचना की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार सूची, उनकी यात्री हैंडलिंग क्षमता के साथ अनुलग्नक में है। हवाईअड्डे आर्थिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में उभरे हैं और राज्य की अर्थव्यवस्था पर गुणक प्रभाव डालते हैं। हवाईअड्डों के विकास से यात्रियों और कार्गो की आवाजाही, पर्यटन विकास, रोजगार सृजन में वृद्धि होती है और भूमि मूल्यांकन दरें बढ़ती हैं जिससे संबंधित राज्य में विभिन्न करों/स्टाम्प शुल्क आदि का संग्रह बढ़ता है और देश का समग्र विकास होता है।

(ख) पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान के तहत, सरकार प्रमुख हवाईअड्डों पर मल्टीमॉडल संपर्क बढ़ाने के लिए एक एकीकृत रणनीति लागू कर रही है। यह पहल सड़क, रेल, मेट्रो एवं अन्य परिवहन माध्यमों द्वारा अंतिम छोर तक निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के बीच समन्वित आयोजना को बढ़ावा देती है।

(ग): अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ) का 'इकोनॉमिक बेनिफिट्स ऑफ सिविल एविएशन: रिपल्स ऑफ प्रास्पेरिटी' नामक अध्ययन दर्शाता है कि हवाई संपर्क का आर्थिक गुणक 3.25 और रोजगार गुणक 6.1 है। यह दर्शाता है कि हवाई परिवहन पर खर्च किए गए प्रत्येक 100 रुपये से अर्थव्यवस्था में लगभग 325 रुपये सृजित हो सकते हैं और हवाई परिवहन में प्रत्येक 100 प्रत्यक्ष रोजगार अर्थव्यवस्था में समग्र रूप से लगभग 610 रोजगारों का सृजन कर सकते हैं।

अनुलग्नक

पिछले दो वर्षों के दौरान कार्यशील किए गए हवाईअड्डे/टर्मिनल भवन

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	हवाईअड्डे का नाम	परियोजना की मुख्य बातें	वर्ष	यात्री हैंडलिंग क्षमता (प्रति वर्ष मिलियन यात्री में)
1	असम	गुवाहाटी	नया टर्मिनल भवन	2025	13
2	अरुणाचल प्रदेश	होलोंगी	नया टर्मिनल भवन	2025	1
3	बिहार	पटना	नया टर्मिनल भवन	2025	10
4		पूर्णिया	नया सिविल एन्क्लेव	2025	0.3
5	छत्तीसगढ़	अंबिकापुर	नया घरेलू हवाईअड्डा	2024	0.5
6	दिल्ली	दिल्ली (डीआईएएल)	नया टर्मिनल भवन (टर्मिनल-1)	2024	105
7	मध्य प्रदेश	ग्वालियर	नया टर्मिनल भवन	2024	2
8		जबलपुर	नया टर्मिनल भवन	2024	1
9		रीवा	नया घरेलू हवाईअड्डा	2024	0.25
10		दतिया	नया घरेलू हवाईअड्डा	2025	0.25
11		सतना	नया घरेलू हवाईअड्डा	2025	0.25
12	महाराष्ट्र	कोल्हापुर	नया टर्मिनल भवन	2024	0.5
13		पुणे	नया टर्मिनल भवन	2024	9
14		शोलापुर	नया टर्मिनल भवन और एयरसाइड संवर्धन	2024	0.41
15		नवी मुंबई	नया ग्रीनफील्ड अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	2025	20
16	पंजाब	आदमपुर (जालंधर)	नया टर्मिनल भवन	2024	0.5
17		हलवारा	नया सिविल एन्क्लेव	2026	0.2
18	तमिलनाडु	तिरुचिरापल्ली	नया एकीकृत टर्मिनल भवन	2024	6
19		तुतीकोरिन	नया टर्मिनल भवन	2025	2

20	तेलंगाना	हैदराबाद (जीएचआईएएल)	विस्तारित टर्मिनल भवन	2024	34
21	उत्तर प्रदेश	अलीगढ़	नया घरेलू हवाईअड्डा	2024	0.1
22		आजमगढ़	नया घरेलू हवाईअड्डा	2024	0.1
23		चित्रकूट	नया घरेलू हवाईअड्डा	2024	0.15
24		लखनऊ	नया टर्मिनल-3 (चरण-I)	2024	8
25		मुरादाबाद	नया टर्मिनल भवन	2024	0.1
26		प्रयागराज	नया टर्मिनल भवन	2025	3
27		सरसावा	नया सिविल एन्क्लेव	2024	0.2
28		श्रावस्ती	नया घरेलू हवाईअड्डा	2024	0.1
29	उत्तराखंड	देहरादून	नया टर्मिनल भवन (चरण-2)	2024	3.65

******